ANNOUNCEMENT BY THE CHAIRMAN

MR. CHAIRMAN: One minute, hon. Prime Minister. Hon. Members, the reply to the discussion on the Motion of Thanks on the President's Address is under way. If the House agrees, the lunch hour may be dispensed with to conclude the discussion. Do I have the leave of the House to dispense with the lunch hour today?

SOME HON. MEMEBRS: Yes, Sir.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS -*Contd.*

MR. CHAIRMAN: Hon. Prime Minister. आपने मुझे भी एक मौका दिया है, जो मेरे से पहले एक चेयरमैन को ही मिला है, to listen to the Prime Minister in his third term replying to the President's Address. आपसे inspiration लेकर, आप टेबल पर देखिए, यहाँ हमने पुरुषों का one-third reservation कर दिया है। Hon. Prime Minister.

श्री नरेन्द्र मोदी: आदरणीय सभापति जी, वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में जो संतुलन चाहते हैं, उनके लिए भारत की यह विजय एक बहुत बड़ी आशा लेकर आई है। आज विश्व पारदर्शिता पर भरोसा करता है और भारत उसके लिए एक बहुत ही श्रेष्ठ भूमि के रूप में उभर रहा है। आदरणीय सभापति जी, इस चुनाव के नतीजों से जो capital market है, उसमें तो उछाल नजर आ ही रहा है, लेकिन दुनिया में भी बहुत बड़े उमंग और आनन्द का माहौल है। यह मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव से बताना चाहता हूँ। ...(**व्यवधान**)... लेकिन इस बीच हमारे कांग्रेस के लोग भी खुशी में मगन हैं। मैं समझ नहीं पाता हूँ कि इस खुशी का कारण क्या है। इस पर कई सवाल हैं - क्या यह खुशी हार की hat-trick पर है, क्या यह खुशी nervous nineties के शिकार होने पर है, क्या यह खुशी एक और असफल launch की है?

आदरणीय सभापति जी, मैं देख रहा था कि खरगे जी भी उत्साह और उमंग से भरे नजर आ रहे थे। लेकिन शायद खरगे जी ने अपनी पार्टी की बड़ी सेवा की है, क्योंकि यह पराजय का ठीकरा जिन पर फूटना चाहिए था, उनको इन्होंने बचा लिया और खुद दीवार बन कर खड़े हो गए। कांग्रेस का रवैया ऐसा रहा है कि जब-जब ऐसी परिस्थिति आती है, तब किसी दलित को, पिछड़े को ही यह मार झेलनी पड़ती है और वह परिवार बच कर निकल जाता है। इसमें भी यही नजर आ रहा है।

इन दिनों आपने देखा होगा कि लोक सभा में स्पीकर के चुनाव का मसला हुआ। उसमें भी पराजय तो तय थी, लेकिन आगे किसको किया - एक दलित को। बड़ी चालाकी के साथ उन्होंने खेल खेला। उनको मालूम था कि वे पराजित होने वाले हैं, लेकिन उन्हीं को आगे किया। राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति पद के चुनाव थे, तो 2022 में उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के लिए सुशील कुमार शिंदे जी